University in News on 23 June 2024

TOI PAGE 2

LU talk on AI role in Eng lang study

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The Artificial intelligence (AI) regime has opened hundreds of windows to practitioners of English studies across the globe. Lucknow University Prof R P Singh of the department of English and modern European languages presented his model of creative competence in teaching English in the times of AI during an international conference on language and language teaching titled 'Navigating Innovation: Striving to the Sustainable ELT', organised by English Language Education Department Universitas PGRI Adi Buana, Indonesia, on Saturday.

"The regime of artificial intelligence has opened hundreds of windows to practitioners of English studies across the globe. Professional excellence in any domain comes from strategic planning of the work environment in sync with the philosophy of the work. Innovation and creativity with an unusual insight shall challenge AI's generic textual understanding, as far as the domain of English studies is concerned," said Prof R P Singh.

He presented his model of creative competence in teaching English. Contextual communication and related creation with critical thinking under the broader spectrum of creativity could help English teachers evolve as better professionals in the current global aspirations, he said, adding, it was high time the monopoly of western models was broken, and examples in native environment were contextualised.

HINDUSTAN PAGE 6

भाषा में एआई के प्रयोग से सृजनात्मकता बढ़ेगी

लखनऊ। यूनिवर्सिटास पीजीआरआई आदि बुआना इंडोनेशिया के अंग्रेजी भाषा शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित नेविगेटिंग इनोवेशन: स्ट्राइविंग टू द सस्टेनेबल ईएलटी अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में एलयू के अंग्रेजी विभाग के प्रो. आरपी सिंह ने अपने विचार रखे। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. सिंह अंग्रेजी पढ़ाने में रचनात्मक क्षमता का अपना मॉडल प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी भाषा शिक्षण में एआई की दखल के साथ शिक्षण तकनीकी में सृजनात्मकता का महत्त्व बढ़ेगा।

i-NEXT PAGE 4

एलयू ने जारी किया परीक्षा परिणाम

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शनिवार को कई और पाठ्यक्रमों के सेमेस्टर परीक्षा परिणाम जारी कर दिए. परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार बी.बी.ए (एनईपी) मैनेजमेंट, इंटरनेशनल बिजनेस और मैनेजमेंट साइंस छठे सेमेस्टर, बी.काम एनईपी दूसरे सेमेस्टर व राष्ट्रगौरव विषय के विस्तृत परिणाम वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं.

AMRIT VICHAR PAGE 5

अब नहीं बढ़ेगी लखनऊ विवि प्रवेश परीक्षा की आवेदन तिथि

जुलाई के पहले सप्ताह में परीक्षा कराने की तैयारी शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) से संबद्ध कॉलेजों में सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की तारीख अब और नहीं बढ़ाई जाएगी। परीक्षा जुलाई के पहले सप्ताह में कराए जाने की तैयारी है।इसके परिणाम में बनने वाली मेरिट के आधार पर दाखिले किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि 30 जून है। इससे पहले ये 31 मई तक निर्धारित थी लेकिन सीबीएसई ,यूपी और आईएससी 12वीं का परिणाम अलग-अलग तिथि में आने के कारण आवेदन की तिथि सीधे 1 माह यानी 30 जून तक बढ़ा दी गई थी। परीक्षा का नोटिफिकेशन विश्विवद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर जारी किया जाएगा। विवि से जुड़े कॉलेजों में यूजी, यूजी प्रोफेशनल, पीजी, पीजी मैनेजमेंट, बीपीएड, एमपीएड, एमएड में आवेदन प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि समय से प्रवेश परीक्षा परिणाम जारी कर काउंसिलिंग प्रक्रिया को पूरा किया जाए ताकि नये शैक्षिक सत्र में पढ़ाई समय से शुरू हो सके। हालांकि आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन संभावना एक सीट पर 50 से अधिक आवेदकों की जताई जा रही है। इस कारण मेरिट काफी ऊंची रहने की संभावना जताई जा रही है।

उम्मीद से अधिक आ रहे आवेदन, परिणाम के अनुसार मेरिट के आधार पर होंगे दाखिले

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के बाद जारी परिणाम के आधार पर मेरिट के अनुसार प्रवेश लिए जाएंगे। उन्होंने आवेदन करने वाले छात्रों के लिए सलाह देते हुए कहा कि आवेदकों को प्रवेश परीक्षा की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

लविवि : सम सेमेस्टर परीक्षा का परिणाम जारी

अमृत विचार, लखनऊ: विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं का सम सेमेस्टर परिणाम शनिवार को जारी कर दिया। परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि बीबीए एनईपी मैनेजमेंट, बीबीए एनईपी इंटरनेशनल बिजनेस, बीबीए एनईपी मैनेजमेंट सांइस के छठे सेमेस्टर का परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दिया गया है। वहीं बीकॉम एनईपी कॉमर्स के सेकेंड सेमेस्टर और राष्ट्र गौरव का परिणाम भी वेबसाइट पर अपलोड हो चुका है।

JAGRAN CITY PAGE III

'एआइ काल में भाषा शिक्षण में दिख रहे व्यापक आयाम'

जागरण संवाददाता • लखनऊ: अंग्रेजी भाषा शिक्षण में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) के दखल के साथ शिक्षण तकनीकी में सृजनात्मकता का महत्त्व बढ़ेगा। वर्तमान एआइ काल में अंग्रेजी भाषा शिक्षण में जहां सुगमता के लिए व्यापक आयाम दिख रहे हैं, तो दूसरी ओर गुणवत्ता और रोचकता पर ध्यान देने की आवश्यकता भी है। ये विचार लखनऊ विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के प्रोफेसर आरपी सिंह ने यूनिवर्सिटास पीजीआरआइ आदि बुआना, इंडोनेशिया के अंग्रेजी भाषा शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित 'नेविगेटिंग इनोवेशनः स्ट्राइविंग टू द सस्टेनेबल ईएलटी' शीर्षक पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में रखे।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों के सामने भाषा की लय को खोए बिना कुछ प्रामाणिक और नवीन बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने अंग्रेजी पढ़ाने में रचनात्मक क्षमता का अपना माडल प्रस्तुत करते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब हमें पश्चिमी माडलों के एकाधिकार को तोड़कर अपने उदाहरणों को अपने परिवेश में प्रासंगिक बनाना चाहिए।

जारी किया परीक्षा परिणाम

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने शनिवार को कई और पाठ्यक्रमों के सेमेस्टर परीक्षा परिणाम जारी कर दिए। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार बी.बी.ए (एनईपी) मैनेजमेंट, इंटरनेशनल बिजनेस और मैनेजमेंट साइंस छठे सेमेस्टर, बी.काम एनईपी दूसरे सेमेस्टर व राष्ट्रगौरव विषय के विस्तृत परिणाम वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। (जासं)

THE PIONEER PAGE 3

LU prof highlights challenges in English teaching

Lucknow (PNS): In the era of artificial intelligence (AI), practitioners of English language teaching face multifaceted challenges. On one hand, they must align with new teaching-learning philosophies, while on the other, they strive to create authentic and innovative approaches without compromising the language's structural essence and rhythm. Professional excellence in any field stems from strategic planning within the work environment that aligns with its underlying philosophy. Innovation and creativity, coupled with unique insights, present challenges to AI's conventional text comprehension, especially within the domain of English studies, Prof RP Singh from the department of English, Lucknow University, said while delivering his keynote address at an international conference on language and language teaching titled 'Navigating Innovation: Striving for Sustainable ELT'. The conference was hosted by the English Language Education Department at Universitas PGRI Adi Buana, Indonesia. Singh presented his model of creative competence in teaching English. "Contextual communication and critical thinking fostered under the broader spectrum of creativity can elevate English teachers as professionals aligned with global aspirations. It's time to diversify from western models and contextualise examples within our own cultural settings. Language teaching demands interdisciplinary inclusivity. Material development through cultural associations can pave the way for sustainable models in English language teaching," he emphasised while introducing a creative model for professional development in English studies. "Teaching in today's professional environment requires managing diverse challenges—professional, behavioral, corporate, and psychological pressures. Pedagogical tools evolve rapidly, overshadowing traditional reference books. What remains steadfast is our practical understanding of these dynamics, strategic planning, and content development," he added.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : बीबीए और बीकॉम की सेमेस्टर परीक्षा के परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बीबीए, बीकॉम व राष्ट्र गौरव कोर्स की सेमेस्टर परीक्षा का परिणाम विवि की वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, बीबीए में मैनेजमेंट, इंटरनेशनल बिजनेस, मैनेजमेंट साइंस व कॉमर्स विषय की सेमेस्टर परीक्षा का परिणाम जारी किया गया है। (संवाद)

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

लविवि में एआई काल में भाषा शिक्षण पर चर्चा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी भाषा शिक्षण में एआई की दखल के साथ शिक्षण तकनीकी में सृजनात्मकता का महत्त्व बढ़ेगा। वर्तमान एआई काल में अंग्रेजी भाषा शिक्षण में जहां सुगमता के लिए व्यापक आयाम दिख रहे हैं।वहीं दूसरी ओर गुणवत्ता और रोचकता पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

शिक्षकों को जहां एक ओर नये शिक्षण-अधिगम संदर्भ शिक्षा दर्शन के साथ तारतम्य स्थापित करने की चुनौती है। वहीं दूसरी ओर भाषा के संरचनात्मक सार और लय को खोये बिना कुछ सुखद, प्रामाणिक और नवीन बनाने का भी लक्ष्य होगा। किसी भी क्षेत्र में व्यावसायिक उत्कृष्टता कार्य के दर्शन के अनुरूप कार्य वातावरण की रणनीतिक योजना से आती है।जहां तक अंग्रेजी अध्ययन का सवाल है, असामान्य अंतर्दृष्टि के साथ नवाचार और रचनात्मकता एआई के साथ शिक्षण

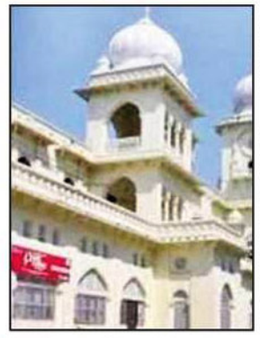

में तालमेल स्थापित करेगी।

ये बातें लखनऊ विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के प्रो आरपी सिंह ने यूनिवर्सिटास पीजीआरआई आदि बुआना इंडोनेशिया के अंग्रेजी भाषा शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित नेविगेटिंग इनोवेशनः स्ट्राइविंग टू द सस्टेनेबल ईएलटी शीर्षक अंतर्गत आयोजित अंतर्राष्ट्रीय समेलन में मुख्य वक्त के रूप में बोलते हुए कहीं। उन्होंने अंग्रेजी पढ़ाने में रचनात्मक क्षमता का अपना मॉडल प्रस्तुत किया।

रचनात्मकता के व्यापक स्पेक्ट्रम के तहत महत्वपूर्ण सोच के साथ प्रासंगिक संचार और संबंधित सृजन अंग्रेजी शिक्षकों को वर्तमान वैश्विक आकांक्षाओं में बेहतर पेशेवरों के रूप में विकसित कर सकता है। अब समय आ गया है जब हमें पश्चिमी मॉडलों के एकाधिकार को तोड़ना चाहिए, और अपने उदाहरणों को अपने परिवेश में प्रासंगिक बनाना चाहिए, चाहे वह किसी भी सांस्कृतिक व्यवस्था में हो। भाषा शिक्षण अंतःविषयकता की गारंटी देता है, जो कि सर्व समावेशी है।